

नाविका सागर परकिर्मा

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में भारतीय नौसेना के पोत वाहक जहाज तारणी (आईएनएसवी तारणी) को गोवा से रवाना किया गया है। गोवा के आईएनएस मंडोवी नौका पुल से रवाना किये गए इस पोत की विशेषता यह है कि इसमें सभी महिला कर्मी शामिल हैं।
- यह पूरे संसार की पहली भारतीय जल यात्रा है जिसमें चालक दल के सभी सदस्य महिलाएं हैं। वे गोवा से अपनी जल यात्रा की शुरुआत कर रही हैं और संसार की जल यात्रा को पूरा करने के बाद उनके मार्च 2018 में गोवा वापस लौट आने की उम्मीद है।
- इस अभियान को 'नाविका सागर परकिर्मा' का नाम दिया गया है। परकिर्मा को पाँच चरणों में पूरा किया जाएगा और यह इन 4 बंदरगाहों पर रुकेगी:

- आस्ट्रेलिया का फ्रीमेंटल
- न्यूजीलैंड का लाइटलेटन
- फॉर्कलैंड्स का पोर्टसडिनी
- दक्षिण अफ्रीका का केपटाउन

आईएनएस तारणी से संबंधित महत्त्वपूर्ण तथ्य

- आईएनएसवी तारणी 55 फुट का जलयान है, जिसे स्वदेशी तकनीक से बनाया गया है। इसे इसी वर्ष के आरंभ में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया है। विश्व के फॉर्म पर यह 'मेक-इन-इंडिया' पहल को प्रदर्शित करता है।

यात्रा का उद्देश्य

- समुद्र यात्रा के दौरान चालक दल गहरे समुद्र में प्रदूषण की जाँच करेगा और इस संबंध में रिपोर्ट देगा।
- इस दौरान यह साहसिक दल भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमबी) को मौसम के पूर्वानुमान की सही जानकारी प्रदान करने के लिये मौसम विज्ञान/समुद्री/लहरों के बारे में नियमिति रूप से आँकड़े इकट्ठा करेगा और उन्हें लगातार नवीन जानकारी भी उपलब्ध कराएगा। इससे अनुसंधान और विकास संगठनों को विश्लेषण में भी मदद मिलेगी।
- इस अभियान का नाम 'नाविका सागर परकिर्मा' रखा गया है। यह महिलाओं का उनकी अंतर्निहित शक्ति के ज़रिये सशक्तीकरण किये जाने की राष्ट्रीय नीति के अनुरूप है।
- उल्लेखनीय है कि इसका उद्देश्य भारत में महिलाओं के प्रतिसामाजिक दृष्टिकोण और सोच में बदलाव लाना भी है।
- इस समुद्री यात्रा में पर्यावरण हतिषी गैर परंपरागत ऊर्जा स्रोतों के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जाएगा।
- साथ ही इस अभियान का उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाना भी है।